

अरे सिंगा ये हो के सवार
आओ अम्बे मैया ॥२॥

अरे सिंगा ये हो के सवार
आओ दुर्गे मैया ॥२॥

हम दुखियों को - कौन उबारे
हम तो हैं मैया तुमरे सहारे
देखो ! अंसुओं की बह रई है धार
आओ अम्बे मैया... अरे सिंगा ये...

नाम तुम्हारे सब जग जाने
तुमरी शरण में सब खों आनें
मैया ! काहे को कर रहीं अबार
आओ अम्बे मैया... अरे सिंगा ये...

करतीं सदा तुम ही रखवाली
तुम ही दुर्गा - तुम ही काली
तेरी ! महिमा है अपरम्यार
आओ अम्बे मैया... अरे सिंगा ये....

जगमग- जगमग ज्योत जली है
 दर्शन की मैया- आश लगी है
 आके! हम पे करो उपकार
 आओ अम्बे मैया- अरे सिंगा पे--

चरन तुम्हारे- भूल न पाऊँ
 हर जन्मों में तुमको पाऊँ
 तेरो! हू-हूँ "श्रीबाबाश्री" उद्धार
 आओ अम्बे मैया-... अरे सिंगा पे...